पाठ 28

1. मूसा ने जिस जलती हुई झाड़ी को देखा वह नष्ट क्यों नहीं हुई?

-क्योंकि परमेश्वर झाड़ी में थे।

2. जलती हुई झाड़ी में परमेश्वर क्यों थे?

-क्योंकि परमेश्वर मूसा से इस्राएलियों के बारे में बात करना चाहता था।

3. इस्राएली जलती हुई झाड़ी के समान कैसे थे?

-जैसे आग जलती हुई झाड़ी को नष्ट करना चाहती थी, वैसे ही शैतान और फिरौन इस्राएलियों को नष्ट करना चाहते थे।

-जैसे परमेश्वर जलती हुई झाड़ी में था, वैसे ही परमेश्वर इस्राएलियों के साथ था।

4. परमेश्वर के नाम "मैं हूँ" का क्या अर्थ है?

-इसका मतलब है कि परमेश्वर की कोई शुरुआत नहीं है।

-इसका मतलब है कि परमेश्वर का कोई अंत नहीं है।

-इसका मतलब है कि परमेश्वर हमेशा रहते हैं।

-इसका मतलब है कि ऐसा कोई समय नहीं रहा जब परमेश्वर जीवित नहीं थे।

5. क्या परमेश्वर जानता था कि फिरौन इस्राएलियों को मिस्र छोड़ने नहीं देगा?

-हां।

6. यह दिखाने के लिए पहला संकेत क्या था कि परमेश्वर ने मूसा को इस्राएलियों को मिस्र से बाहर निकालने के लिए चुना था?

-मूसा के कर्मचारी एक सांप में बदल गए, और फिर एक कर्मचारी में वापस आ गए।

7. यह दिखाने के लिए दूसरा चिन्ह क्या था कि परमेश्वर ने मूसा को इस्राएलियों को मिस्र से बाहर निकालने के लिए चुना था?

- जब उसने अपना हाथ अपने कोट के अंदर रखा, तो मूसा का हाथ कोढ़ हो गया, और जब उसने अपना हाथ एक बार फिर अपने कोट के अंदर रखा तो वह फिर से ठीक हो गया।

8. मूसा को फिरौन से बात करने में मदद करने के लिए परमेश्वर ने किसे भेजा?

-हारून, मूसा का भाई।

9. परमेश्वर इस्राएलियों को दासता से क्यों बचाना चाहता था?

-क्योंकि परमेश्वर ने उनसे प्रेम किया, और वह नहीं चाहता था कि वे गुलामी में रहें।

-क्योंकि परमेश्वर ने अब्राहम से वादा किया था कि वह उन्हें वापस कनान देश में ले जाएगा।

-क्योंकि परमेश्वर ने अब्राहम से वादा किया था कि वह इस्राएलियों के माध्यम से उद्धारकर्ता को भेजेगा।

-परमेश्वर ने मूसा से अपनी प्रतिज्ञा पूरी की, और मूसा की सहायता के लिए अपने भाई हारून को भेजा।

आइए पढ़ें निर्गमन 4:27-28

27 यहोवा ने हारून से कहा, मूसा से भेंट करने को जंगल में जा। तब वह मूसा से परमेश्वर के पर्वत पर मिला और उसे चूमा।

28 तब मूसा ने हारून को जो कुछ यहोवा ने उसे कहने को भेजा था, और उन सब चमत्कारोंके विषय भी जो उस ने उसको दिखाने की आज्ञा दी या, सब बता दिया।

-तब मूसा और हारून मिस्र को गए।

-जब मूसा और हारून मिस्र पहुंचे, तब उन्होंने इस्राएलियोंको बुलवाकर जो कुछ परमेश्वर ने मूसा से कहा या, वह सब उन को बता दिया।

आइए पढ़ें निर्गमन 4:29-31

29-मूसा और हारून ने इस्राएलियोंके सब पुरनियोंको इकट्ठा किया,

30 और हारून ने उन्हें वह सब बता दिया जो यहोवा ने मूसा से कहा था। उसने लोगों के सामने चिन्ह भी दिखाए,

31-और उन्होंने विश्वास किया। और जब उन्होंने सुना, कि यहोवा उनकी चिन्ता करता है, और उनका दु:ख देखा है, तब उन्होंने दण्डवत की और दण्डवत की।

-क्या इस्राएलियों ने परमेश्वर के उन वचनों पर विश्वास किया जो उसने मूसा से कहे थे?

-हां।

-यह अच्छा क्यों था कि इस्राएलियों ने परमेश्वर के वचनों पर विश्वास किया?

-क्योंकि केवल परमेश्वर ही इस्राएलियों को बचाने में सक्षम था।

-क्योंकि केवल परमेश्वर के वचन ही इस्राएलियों को बचाने में सक्षम थे।

-यदि हम परमेश्वर के वचनों पर विश्वास नहीं करते हैं, तो हम परमेश्वर को क्या कहते हैं?

-एक झूठा।

-क्या परमेश्वर उन लोगों को बचाएगा जो परमेश्वर के वचनों पर विश्वास नहीं करते हैं?

-नहीं।

-यदि हम परमेश्वर के वचनों पर विश्वास नहीं करते हैं, तो हमें बचाया नहीं जा सकता है।

-परमेश्वर चाहता है कि आप उसके वचनों को सुनें ताकि आप बच जाएंगे।

-केवल परमेश्वर ही हमें बचा सकते हैं।

-केवल परमेश्वर के वचन ही हमें बचा सकते हैं।

-जब मूसा और हारून इस्राएलियों से बातें कर चुके, तब वे फिरौन से बातें करने को गए।

आइए पढ़ें निर्गमन 5:1-2

1 इसके बाद मूसा और हारून ने फिरौन के पास जाकर कहा, इस्राएल का परमेश्वर यहोवा योंकहता है, कि मेरी प्रजा को जाने दे, कि वे जंगल में मेरे लिये पर्व मनाएं।

2- फिरौन ने कहा, यहोवा कौन है, कि मैं उसकी आज्ञा मानूं और इस्राएल को जाने दूं? मैं यहोवा को नहीं जानता और न इस्राएल को जाने दूंगा।"

-फिरौन ने क्या कहा जब मूसा ने कहा कि यहोवा उसे इस्राएलियों को जाने देने की आज्ञा दे रहा है?

-फिरौन ने कहा, मैं यहोवा को नहीं जानता, और मैं इस्राएल को जाने न दूंगा।

-फिरौन परमेश्वर को क्यों नहीं जानता था?

-क्योंकि फिरौन परमेश्वर को जानना नहीं चाहता था।

-क्योंकि फिरौन परमेश्वर पर विश्वास नहीं करना चाहता था।

-क्योंकि फिरौन अपने पाप से प्यार करता था।

-फिरौन और मिस्र के लोगों ने परमेश्वर पर विश्वास नहीं किया।

-फिरौन और मिस्र के लोगों ने अपने देश में बड़ी नदी की पूजा की।

-फिरौन और मिस्र के लोगों ने सूर्य, चंद्रमा और सितारों के साथ-साथ कई जानवरों की पूजा की।

-मिस्र के लोग भी फिरौन को अपने देवता के रूप में पूजते थे।

-फिरौन और मिस्र के लोगों ने परमेश्वर की पूजा करने के बजाय परमेश्वर की पूजा की।

-फिरौन के समय में कई लोगों ने परमेश्वर की सच्चाइयों को मानने से इनकार कर दिया था।

-आज भी, कई लोग परमेश्वर की सच्चाई को मानने से इनकार करते हैं।

-चूंकि कई लोगों ने परमेश्वर की सच्चाइयों पर विश्वास करने से इनकार कर दिया, परमेश्वर ने शैतान को उन्हें धोखा देने की अनुमति दी।

-शैतान ने लोगों को धोखा दिया, और उन्होंने परमेश्वर के अलावा सब कुछ की पूजा की।

-क्योंकि कई लोगों ने परमेश्वर की सच्चाइयों पर विश्वास करने से इनकार कर दिया, परमेश्वर ने इब्राहीम को इस्राएलियों का पिता बनने के लिए चुना।

-परमेश्वर ने इब्राहीम और इस्राएलियों के माध्यम से उद्धारकर्ता को भेजने के लिए चुना।

-परमेश्वर ने अपनी सच्चाई को अपनी पुस्तक में लिखने के लिए भी चुना, जिसे उसने अब्राहम और इस्राएलियों के माध्यम से लिखा था।

-परमेश्वर की किताब को बाइबिल कहा जाता है।

-क्या परमेश्वर को पता था कि फिरौन इस्राएलियों को मिस्र छोड़ने नहीं देगा?

-हां।

-परमेश्वर सब कुछ होने से पहले ही जानता है।

-जब फिरौन ने इस्राएलियों को जाने देने से इनकार कर दिया, तो सुनिए कि परमेश्वर ने मूसा से क्या कहा:

आइए पढ़ें निर्गमन 6:1

1-तब यहोवा ने मूसा से कहा, अब तुम देखोगे कि मैं फिरौन के साथ क्या करूंगा: वह मेरे बलवन्त हाथ के कारण उन्हें जाने देगा; वह मेरे बलवन्त हाथ के कारण उन्हें अपने देश से निकाल देगा।"

-परमेश्वर ने फिरौन और मिस्रियों को अपनी महान शक्ति दिखाने का फैसला क्यों किया?

-तो उन्हें पता होगा कि वही सच्चा परमेश्वर है।

-परमेश्वर ने फिरौन और मिस्रियों को यह दिखाने का फैसला किया कि उनकी भूमि की बड़ी नदी परमेश्वर नहीं थी।

-परमेश्वर ने फिरौन और मिस्रियों को यह दिखाने का फैसला किया कि सूर्य, चंद्रमा और तारे परमेश्वर नहीं थे।

-परमेश्वर ने फिरौन और मिस्रियों को यह दिखाने का फैसला किया कि उनके कई जानवर परमेश्वर नहीं थे।

-परमेश्वर ने फिरौन और मिस्रियों को यह दिखाने का फैसला किया कि फिरौन परमेश्वर नहीं था।

-परमेश्वर ने इस्राएलियों को अपनी शक्ति दिखाने का भी फैसला किया कि वे जानेंगे कि वह उनका परमेश्वर था।

आइए पढ़ें निर्गमन 6:2-8

2-परमेश्वर ने मूसा से यह भी कहा, “मैं यहोवा हूँ।

3-मैं ने इब्राहीम, इसहाक, और याकूब को सर्वशक्तिमान परमेश्वर के रूप में दर्शन दिया, परन्तु अपने नाम यहोवा से मैं ने उन पर अपना प्रगट न किया।

4 मैं ने उनके साथ अपनी वाचा भी बान्धी, कि उन्हें कनान देश दे, जहां वे परदेशी होकर रहते थे।

5 और मैं ने इस्राएलियोंकी कराह सुनी है, जिन को मिस्री दास बना रहे हैं, और मैं ने अपक्की वाचा को स्मरण किया है।

6 इसलिथे इस्त्राएलियोंसे कह, कि मैं यहोवा हूं, और मैं तुझे मिस्रियोंके जूए के तले से निकालूंगा। मैं तुझे उनके दास होने से छुड़ाऊंगा, और तेरी भुजा बढ़ाकर और न्याय के बड़े कामोंसे तुझे छुड़ाऊंगा।

7-मैं तुझे अपनी प्रजा मानूंगा, और तेरा परमेश्वर रहूंगा। तब तुम जानोगे कि मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूं, जो तुम्हें मिस्रियों के जूए के नीचे से निकाल लाया है।

8 और मैं तुझे उस देश में पहुंचाऊंगा, जिसे मैं ने हाथ बढ़ाकर इब्राहीम, इसहाक और याकूब को देने की शपथ खाई थी। मैं इसे तुम्हें एक अधिकार के रूप में दूंगा। मैं यहोवा हूँ।’”

-परमेश्वर ने इस्राएलियों को अपनी शक्ति दिखाने का फैसला किया ताकि वे जान सकें कि वह इब्राहीम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर था।

-परमेश्वर ने इस्राएलियों को अपनी शक्ति दिखाने का फैसला किया ताकि वे जान सकें कि वह उनका परमेश्वर, इस्राएलियों का परमेश्वर था।

-क्योंकि फिरौन ने इस्राएलियों को जाने नहीं दिया, परमेश्वर ने अपनी महान शक्ति दिखाना शुरू कर दिया।

-परमेश्वर ने मिस्रियों और इस्राएलियों को अपनी महान शक्ति कैसे दिखाई?

-परमेश्वर ने फिरौन और मिस्रियों पर बड़ी विपत्तियां भेजीं।

-पहली विपत्ति के लिए, परमेश्वर ने मिस्र की महान नदी के पानी को खून में बदल दिया।

-हालांकि, प्लेग उस देश में प्रवेश नहीं किया जहां इस्राएली रहते थे।

आइए पढ़ें निर्गमन 7:20-21

20 मूसा और हारून ने यहोवा की आज्ञा के अनुसार किया। और हारून ने अपनी लाठी को फिरौन और अपके हाकिमोंके साम्हने उठाया, और नील नदी के जल पर मारा, और सारा जल लोहू हो गया।

21-नील की मछलियां मर गईं, और नदी से इतनी दुर्गंध आने लगी कि मिस्री उसका जल न पी सके। मिस्र में हर जगह खून था।

-फिरौन ने मूसा से विपत्ति दूर करने की विनती की, और कहा कि वह इस्राएलियों को जाने देगा।

-परन्तु जब परमेश्वर ने विपत्ति दूर की, तब फिरौन ने इस्राएलियों को जाने देने से इन्कार कर दिया।

-दूसरे प्लेग के लिए परमेश्वर ने मेंढ़कों की एक प्लेग भेजी।

-फिरौन और मिस्रियों की भूमि मेंढ़कों से आच्छादित थी।

-हालांकि, प्लेग उस देश में प्रवेश नहीं किया जहां इस्राएली रहते थे।

आइए पढ़ें निर्गमन 8:5-6

5 तब यहोवा ने मूसा से कहा, हारून से कह, कि अपक्की लाठी से अपना हाथ नालोंऔर नहरोंऔर तालोंके ऊपर बढ़ा, और मेंढ़क मिस्र देश पर चढ़ाई कर दे।

6 तब हारून ने मिस्र के जल पर हाथ बढ़ाया, और मेंढकोंने चढ़कर देश को ढांप लिया।

-फिरौन ने मूसा से विपत्ति दूर करने की विनती की, और कहा कि वह इस्राएलियों को जाने देगा।

-परन्तु जब परमेश्वर ने विपत्ति दूर की, तब फिरौन ने इस्राएलियों को जाने देने से इन्कार कर दिया।

-तीसरे प्लेग के लिए परमेश्वर ने मच्छरों की एक प्लेग भेजी।

-फिरौन, सब मिस्री, और मिस्र का सारा देश कुटकियोंसे ढँक गया।

-हालांकि, प्लेग उस देश में प्रवेश नहीं किया जहां इस्राएली रहते थे।

आइए पढ़ें निर्गमन 8:16-17

16 तब यहोवा ने मूसा से कहा, हारून से कह, कि अपक्की लाठी बढ़ाकर भूमि की मिट्टी पर मार, तब सारी मिस्र देश में मिट्टी कुटकियां बन जाएगी।

17 और उन्होंने ऐसा ही किया, और जब हारून ने लाठी से हाथ बढ़ाकर भूमि की मिट्टी पर मारा, तब मनुष्यों और पशुओं पर कुटकियां निकलीं। मिस्र देश की सारी धूल कुटकियां बन गईं।

-फिरौन ने मूसा से विपत्ति दूर करने की विनती की, और कहा कि वह इस्राएलियों को जाने देगा।

-परन्तु जब परमेश्वर ने विपत्ति दूर की, तब फिरौन ने इस्राएलियों को जाने देने से इन्कार कर दिया।

-चौथी विपत्ति के लिए, परमेश्वर ने मक्खियों की एक विपत्ति भेजी।

-फिरौन और मिस्रियों की भूमि मक्खियों से आच्छादित थी।

-हालांकि, प्लेग उस देश में प्रवेश नहीं किया जहां इस्राएली रहते थे।

आइए पढ़ें निर्गमन 8:24

24 और यहोवा ने यह किया। फिरौन के महल और उसके हाकिमों के घरों में घुड़दौड़ के झुण्ड उण्डेले गए, और सारे मिस्र देश में मक्खियां तबाह हो गईं।

-फिरौन ने मूसा से विपत्ति दूर करने की विनती की, और कहा कि वह इस्राएलियों को जाने देगा।

-परन्तु जब परमेश्वर ने विपत्ति दूर की, तब फिरौन ने इस्राएलियों को जाने देने से इन्कार कर दिया।

-पांचवें प्लेग के लिए, परमेश्वर ने सभी जानवरों के लिए मौत की एक विपत्ति भेजी।

-मिस्र के सभी घोड़े, मवेशी, भेड़, ऊंट और गदहे फिरौन सहित मर गए।

-हालांकि, प्लेग उस देश में प्रवेश नहीं किया जहां इस्राएली रहते थे।

आइए पढ़ें निर्गमन 9:6-7

6 और दूसरे दिन यहोवा ने वैसा ही किया; मिस्रियोंके सब पशु तो मर गए, परन्तु इस्राएलियोंका एक भी पशु न मरा।

7-फिरौन ने जाँच करने के लिए आदमियों को भेजा और पाया कि इस्राएलियों का एक भी जानवर नहीं मरा। तौभी उसका हृदय अडिग था और उसने लोगों को जाने नहीं दिया।

-फिरौन ने मूसा से विपत्ति दूर करने की विनती की, और कहा कि वह इस्राएलियों को जाने देगा।

-परन्तु जब परमेश्वर ने विपत्ति दूर की, तब फिरौन ने इस्राएलियों को जाने देने से इन्कार कर दिया।

-छठी विपत्ति के लिए, परमेश्वर ने फोड़े की एक विपत्ति भेजी।

-फिरौन और मिस्र के सब लोग फोड़े-फुंसियों से ढँक गए।

-हालांकि, प्लेग उस देश में प्रवेश नहीं किया जहां इस्राएली रहते थे।

आइए पढ़ें निर्गमन 9:10

10 तब मूसा और हारून ने भट्टी में से कालिख निकालकर फिरौन के साम्हने खड़े हुए। मूसा ने उसे हवा में उछाला, और मनुष्यों और पशुओं पर फोड़े फूटने लगे।

-फिरौन ने मूसा से विपत्ति दूर करने की विनती की, और कहा कि वह इस्राएलियों को जाने देगा।

-परन्तु जब परमेश्वर ने विपत्ति दूर की, तब फिरौन ने इस्राएलियों को जाने देने से इन्कार कर दिया।

-सातवीं विपत्ति के लिए, परमेश्वर ने ओलों की एक विपत्ति भेजी।

-मिस्र के सारे देश में ओलों की वर्षा हुई, और फिरौन और मिस्रियों के सब वृक्ष और फसलें नष्ट हो गईं।

-हालांकि, प्लेग उस देश में प्रवेश नहीं किया जहां इस्राएली रहते थे।

आइए पढ़ें निर्गमन 9:23-26

23 जब मूसा ने अपनी लाठी को आकाश की ओर बढ़ाया, तब यहोवा ने गरज और ओले बरसाए, और बिजली भूमि पर गिर पड़ी। तब यहोवा ने मिस्र देश पर ओले बरसाए;

24 ओले गिरे और बिजली आगे-पीछे चमकी। जब से वह एक राष्ट्र बन गया था, तब से मिस्र के सारे देश में यह सबसे भयंकर तूफ़ान था।

25 और सारे मिस्र देश में क्या मनुष्य क्या पशु, क्या सब कुछ ओले गिरे; उसने खेतों में उगने वाली हर चीज को हरा दिया और हर पेड़ को छीन लिया।

26 जिस स्थान पर ओले नहीं पड़े वह गोशेन का देश था, जहां इस्राएली रहते थे।

-फिरौन ने मूसा से विपत्ति दूर करने की विनती की, और कहा कि वह इस्राएलियों को जाने देगा।

-परन्तु जब परमेश्वर ने विपत्ति दूर की, तब फिरौन ने इस्राएलियों को जाने देने से इन्कार कर दिया।

-आठवीं विपत्ति के लिए, परमेश्वर ने टिड्डियों की एक विपत्ति भेजी।

-टिड्डियों ने फिरौन और मिस्रियों के पेड़ों और फसलों में से जो कुछ बचा था, उसे खा लिया।

-हालांकि, प्लेग उस देश में प्रवेश नहीं किया जहां इस्राएली रहते थे।

आइए पढ़ें निर्गमन 10:13-15

13 तब मूसा ने अपक्की लाठी को मिस्र देश पर बढ़ाया, और यहोवा ने पूरे दिन और रात भर देश भर में पुरवाई चलाई। भोर तक हवा टिड्डियों को ले आई;

14-उन्होंने सारे मिस्र पर चढ़ाई की, और देश के सब क्षेत्रों में बड़ी संख्या में बस गए। टिड्डियों का ऐसा प्रकोप न पहले कभी हुआ था और न फिर कभी होगा।

15-उन्होंने सारी भूमि को काला होने तक ढक लिया। उन्होंने ओलों के बाद जो कुछ बचा था, वह सब खा लिया - जो कुछ खेतों में उगता था और जो पेड़ों पर होता था। मिस्र के सारे देश में पेड़ या पौधे पर कुछ भी हरा नहीं रहा।

-फिरौन ने मूसा से विपत्ति दूर करने की विनती की, और कहा कि वह इस्राएलियों को जाने देगा।

-परन्तु जब परमेश्वर ने विपत्ति दूर की, तब फिरौन ने इस्राएलियों को जाने देने से इन्कार कर दिया।

-नौवीं विपत्ति के लिए, परमेश्वर ने अंधकार की एक विपत्ति भेजी।

-फिरौन और मिस्रियों के सारे देश में तीन दिन तक अन्धकार छाया रहा।

-हालांकि, प्लेग उस देश में प्रवेश नहीं किया जहां इस्राएली रहते थे।

आइए पढ़ें निर्गमन 10:21-23

21 तब यहोवा ने मूसा से कहा, अपक्की हाथ को आकाश की ओर बढ़ा, कि मिस्र पर अन्धकार फैल जाए, अर्थात् ऐसा अन्धकार जिसे अनुभव किया जा सके।

22 तब मूसा ने अपना हाथ आकाश की ओर बढ़ाया, और तीन दिन तक सारे मिस्र में घोर अन्धकार छा गया।

23-तीन दिन तक न कोई किसी को देख सकता था और न ही अपना स्थान छोड़ सकता था। तौभी सब इस्राएलियों के अपने रहने के स्थानों में उजियाला था।

-फिरौन ने मूसा से विपत्ति दूर करने की विनती की, और कहा कि वह इस्राएलियों को जाने देगा।

-परन्तु जब परमेश्वर ने विपत्ति दूर की, तब फिरौन ने इस्राएलियों को जाने देने से इन्कार कर दिया।

-फिरौन ने हर बार जब परमेश्वर ने एक प्लेग भेजा तो क्या कहा?

-फिरौन ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों को जाने देगा।

-फिरौन ने हर बार क्या किया जब परमेश्वर ने प्लेग को दूर किया?

-फिरौन ने इस्राएलियों को जाने देने से इनकार कर दिया।

-जहां इस्राएली रहते थे वहां विपत्तियां क्यों नहीं आईं?

-क्योंकि परमेश्वर ने अब्राहम, इसहाक और याकूब से वादा किया था कि वह उन्हें आशीष देगा, और उन्हें एक महान व्यक्ति बना देगा।

-क्योंकि परमेश्वर फिरौन, मिस्रियों और इस्राएलियों को दिखा रहा था कि वह अकेला ही परमेश्वर है, और कोई दूसरा नहीं है।

-इन भयानक विपत्तियों के बाद भी, फिरौन ने फिर भी इस्राएलियों को जाने देने से इनकार कर दिया।

-इन भयानक विपत्तियों के बाद भी, फिरौन ने फिर भी परमेश्वर की आज्ञा मानने से इनकार कर दिया।

-क्या फिरौन परमेश्वर से लड़ सकता है और जीत सकता है?

-नहीं।

-क्या कोई परमेश्वर से लड़ सकता है और जीत सकता है?

-नहीं।

-परमेश्वर से लड़ने वालों का क्या होगा?

-परमेश्वर उन्हें नष्ट कर देंगे।

-अगले पाठ में हम आखिरी प्लेग का अध्ययन करेंगे।